प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय में 'ट्रांसफॉर्मिंग रिसर्च इकोसिस्टम' पर कार्यशाला आयोजित

पंतनगर। 17 जून 2023। विश्वविद्यालय के शोध निदेशालय द्वारा 'ट्रांसफॉर्मिंग रिसर्च इकोसिस्टम' विषयक कार्यशाला का आयोजन आज गांधी हाल में किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान द्वारा की गयी। कुलपति द्वारा बताया कि विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के समय से ही शोध कार्यों में अग्रसर रहा है। विश्व में अपनी पहचान बना चुका यह विश्वविद्यालय आज अनेक चुनौतियों का समाना कर रहा है। उन्होंने नौ माह पूर्व विश्वविद्यालय में अपनी योगदान के बाद किये गये महत्वपूर्ण कार्यों यथा स्थापना दिवस सप्ताह समारोह का आयोजन, लम्बे अवधि से लम्बित शोध एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठकें, 34वें दीक्षांत समारोह का आयोजन, विश्वविद्यालय के एक्रिडिटेशन का कार्य, विश्वविद्यालय की मूल–भूत ढांचों में सुधार यथा एक लम्बे अवधि से क्षतिग्रस्त सड़कों का नवीनीकरण आदि के बारे में अवगत कराते हुए उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के सम्मान में उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए वे अथक प्रयास करते रहेंगे। कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने हेतु और कार्यों के त्वरित निस्तारण हेतु ई–फाइलिंग प्रक्रिया को शीघ्र लागू करने पर बल दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों में कार्यों के समय से सम्पादन पर अधिक बल दिया। साथ ही विश्वविद्यालय परिसर के रख–रखाव में अपनेपन की भावना के साथ जीवन–यापन करने हेतु सुझाव दिया। शोध कार्यों के माध्यम से ही विश्वविद्यालय देश एवं विश्व में एक सम्मानपूर्ण स्थान प्राप्त कर सकता है। इस हेतु उन्होंने उपस्थित संकाय सदस्यों से अपेक्षा की कि प्रत्येक वैज्ञानिक मुख्य अन्वेषक के रूप में एक शोध परियोजना लाकर शोध कार्य आगे बढ़ायेगा। विद्यार्थियों को उनके शोध हेतु एक अच्छा वातावरण दिये जाने की आवश्यकता है। यह देखा जा रहा है कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों की संख्या में बहुत अधिक वृद्धि हो गयी है जिसको नियंत्रित कर विद्यार्थियों को उनको शैक्षणिक वातावरण के प्रति प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि प्रबंध परिषद द्वारा एक शोध परिषद की अनुमन्यता प्राप्त हो गयी है जोकि शोध कार्यों का मूल्यांकन करेगी। उत्कृष्ट श्रेणी के तीन शोध पत्रों तथा सर्वोच्च वैज्ञानिक सम्मान से भी प्रतिवर्ष तीन वैज्ञानिकों को सम्मानित किया जायेगा तथा वे वैज्ञानिक जोकि एक करोड़ से अधिक धनराशि की परियोजना लायेंगे उनको भी सम्मानित किया जायेगा। विश्वविद्यालय के विभिन्न उत्पादों के विपणन को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय परिसर में एक प्रमुख स्थान पर आउटलेट खोला जायेगा। विश्वविद्यालय में सुरक्षा व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण हेतु सुरक्षाधिकारी डा. जी.एस. बोहरा द्वारा किये जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की।

कार्यशाला के प्रारम्भ में डा. अजीत सिंह नैन, निदेशक शोध ने विश्वविद्यालय के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वैज्ञानिकों के प्रयासों से आज विश्वविद्यालय हरित क्रांति की जन्म स्थली के नाम से विश्व में प्रख्यात है। उन्होंने विश्वविद्यालय में वैज्ञानिकों द्वारा किये गये शोध, उन्नतशील बीजों की प्रजातियों एवं प्रकाशनों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने बताया कि संकाय सदस्यों द्वारा शोध परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही बाधा के मद्देनजर वैज्ञानिकों के मध्य विभिन्न बिन्दुओं पर एक सर्वेक्षण कराया गया और उससे प्राप्त सुझावों के आधार पर उनके द्वारा महसूस की जा रही समस्याओं के निराकरण और शोध के सुदृढ़ीकरण हेतु विभिन्न नए मापदण्डों की संरचना की गयी है जिससे कि फाइलों के निस्तारण, उपकरण आदि के क्रय, भण्डार प्रक्रिया आदि को सरल बनाया जा सके और कम से कम समय में उनका निष्पादन हो सके।

संकाय सदस्यों ने भी विभिन्न मुद्दों यथा शिक्षण कार्य में छात्रों एवं शिक्षकों के बीच लगाव की कमी, नवीन शोध परियोजनाओं को वित्त पोषक संस्था को अग्रसारित करने में अत्यधिक समय का लगाया जाना, विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीकों को विश्वविद्यालय वेबसाइट के उपर अपलोड करना, मास्टर्स एवं पीएच.डी. छात्रों के शोध हेतु धन की व्यवस्था, शोध ग्रंथों के परीक्षकों को मानदेय एवं यात्रा व्यय में विलम्ब, छात्राओं को प्रयोगशाला में अधिक देर तक कार्य करने के लिए अनुमति, ठेकाकर्मियों के वेतन को समय से न दिये जाना आदि पर अपनी बात रखी, जिन पर कुलपति द्वारा समुचित संज्ञान लिया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के समस्त अधिष्ठाता, निदेशकगण एवं संकाय सदस्य उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों को संबोधित करते कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान।

निदेशक संचार